

---

# Shiva Stuti Vyasakrita

शिवस्तुतिः व्यासकृता

## Document Information

---

Text title : Shiva Stuti Vyasakrita

File name : shivastutiHvyAsakRRitA.itx

Category : shiva, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : From Saurapurana

Latest update : December 11, 2021

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 11, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shiva Stuti Vyasakrita

---

### शिवस्तुतिः व्यासकृता

---



(सौरपुराणे पञ्चमाध्यायान्तर्गता)

अखे विश्वेश्वरो देवः कथं कैर्वा न सेव्यते ।

यस्मिन्दृष्टे क्षणाज्ज्ञानमुदितं मम निर्मलम् ॥ १७ ॥

नमो भगवते तुभ्यं विश्वनाथाय शूलिने ।

पिनाडिने जगत्कर्त्रे विश्वमायाप्रवर्तिने ॥ १८ ॥

दुर्विज्ञेयाप्रमेयाय परमानन्दरूपिणे ।

भक्तिप्रियाय सूक्ष्माय पार्वतीशाय ते नमः ॥ १९ ॥

नमो जगत्प्रतिष्ठाय जगज्जननहेतवे ।

संखर्त्रे ऋग्यजुःसाममूर्तये तत्प्रवर्तिने ॥ २० ॥

जानाति कस्त्वां विश्वेश तत्त्वतो मादृशो जनः ।

वेदा अपि न जानन्ति साङ्गोपनिषदङ्कमाः ॥ २१ ॥

एति सौरपुराणे पञ्चमाध्यायान्तर्गता व्यासकृता शिवस्तुतिः समाप्ता ।

Encoded and proofread by PSA Easwaran

---

---

*Shiva Stuti Vyasakrita*

pdf was typeset on December 11, 2021

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

